



## सम्पादकीय

आदरणीय बन्धुवर,  
सादर नमस्कार।

आशा है आप सानन्द होंगे। अपनी गौशाला निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। नोएडावासी भी अब लगातार गौशाला से जुड़ रहे हैं। कोई भी त्यौहार हो, अमावस्या, पूर्णिमा व एकादशी, नोएडावासी पर्याप्त संख्या में गौशाला आकर गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अध्यक्ष सीए विकास अग्रवाल जी की अपील पर संरक्षक मण्डल, कार्यकारी मण्डल व संयोजक मण्डल के लगभग 55 सदस्य इस बार यजमान के रूप में जुलाई मास के प्रथम रविवार को हवन में सक्रिय भागीदारी ले रहे हैं। यह सभी के लिए उत्साहवर्धक है।

गौशाला में निरन्तर गोवंश की वृद्धि हो रही है। 10 से 15 टन गोबर प्रतिदिन निकलता है, जिसका निस्तारण बड़ी समस्या बना हुआ है। विकास जी से चर्चा हो रही थी कि क्यों न हम गोबर आधारित CNG Plant की ओर अग्रसरित हों। नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) की Waste to Energy Programme के अन्तर्गत Biomass से Bio Gas Plant के लिए जो आर्थिक सहायता की योजना है, उसको इस अंक में आप सभी के अवलोकनार्थ शामिल किया जा रहा है। इसके बारे में हम सभी समझें व चर्चा करें। अनेक शहरों में इस तरह के Bio Gas Plant लग रहे हैं। जिनसे CNG का उत्पादन भी किया जा रहा है।

गौशाला के गोबर के साथ-साथ आसपास की ओर भी गौशालाओं का गोबर व गीला कूड़ा इस कार्य में लग सकता है। गैस उत्पादन के बाद स्लरी का उपयोग सीधे-सीधे खाद में उपयोग किया जा सकेगा या इसको और भी उत्तम किया जा सकता है। मेरी आप सभी से प्रार्थना है कि इस सम्बन्ध में चर्चा करें और सम्भव हो तो आगे बढ़ें।

— आपका अपना  
महेश बाबू गुप्ता  
(mahesh@mbgupta.com)

## अध्यक्ष की कलम से

परम स्नेही मित्रगण,

सादर नमन वन्दन एवं अभिनन्दन।

मैं समस्त श्री जी गोसदन परिवार की ओर से आप सभी स्वजनों की समृद्धि खुशहाल जीवन की ईश्वर व गौमाता से कामना करता हूँ व आप सभी परिवारजनों का जीवन सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्नचित रहे।

मित्रों 1 जून, 2025 का हवन भव्यता एवं दिव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। हवन में लगभग 450 लोग उपस्थित रहे। हवन में सुख-शान्ति एवं समृद्धि के लिए अपनी आहुति दी एवं गौमाता को हरा चारा, दाना व गुड़ आदि खिलाया एवं प्रसाद ग्रहण किया।

गौमाता की सुविधा की कड़ी में दो ब्रश (गायों को खुजलाने के लिए) खुले मैदान में लगा दिये हैं जिससे गौमाता आनन्दित रहती हैं।

चार पुराने बाड़ों के बीच खुले स्थान में धूप एवं बारिश के बचाव के लिए नये सेड का निर्माण पूर्ण हो गया है।

श्री विजेन्द्र गर्ग एवं परिवार द्वारा नियमित गौमाता के लिए हरा चारा, दलिया उपलब्ध कराने के लिए बहुत-बहुत साधुवाद।

पार्क के सौन्दर्यीकरण हेतु 5 बेंच उपलब्ध कराने के लिए श्री संजय बाली जी एवं श्री केशव गंगल जी का साधुवाद।

श्री आर. के. अग्रवाल जी द्वारा लैब एवं डा. रुम में A/C लगवाने के लिए संजीव ट्रस्ट का बहुत-बहुत साधुवाद।

5 जून, 2025 को पर्यावरण दिवस पर भारत विकास परिषद्, नोएडा द्वारा गौशाला में वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मित्रों इस माह का हवन 6 जुलाई, 2025 दिन रविवार को गौशाला में है, आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

मित्रों आपके प्यार, सम्मान एवं सहयोग के लिए पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि गौमाता की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके स्नेह एवं सहयोग के लिए पुनः धन्यवाद!

— आपका अपना  
विकास अग्रवाल  
(vikas18noida@yahoo.com)

## मासिक हवन

दिनांक : रविवार, 6 जुलाई, 2025 • समय : प्रातः 9.00 बजे • स्थान : गोशाला प्रांगण

यजमान : सर्वश्री विकास अग्रवाल; सुशील भारद्वाज; संजय गुप्ता; आनंद अग्रवाल; अनिल भूषण; ओ पी बंसल; तुलसीदास; टी एन चौरसिया; प्रमोद शर्मा; परमात्मा शरण; वरुण राजीव अग्रवाल; तुषार राजीव अग्रवाल; सीए महेश गुप्ता; प्रताप मेहता; एस सी गोयल; चितरंजन कुमार; राकेश शर्मा; केशव गंगल; मुकेश गुप्ता; नरेश गर्ग; रामरतन शर्मा; देवेन्द्र गंगल; राकेश अग्रवाल; टी एन गोविल; पंकज जिंदल; संजय गोयल; कैलाश किल्ला; अजय अग्रवाल; सीए मनोज अग्रवाल; एडवोकेट मित्रा शर्मा; राकेश गर्ग; सीए राकेश गुप्ता; राजीव अजमानी; जनक भाटिया; एस पी एस परिहार; शैलेंद्र यादव; पी के अग्रवाल; सुधीर सिंघल; शादीराम शर्मा; विपिन अग्रवाल; जितेंद्र तायल; शशांक अग्रवाल; रमेश अग्रवाल; विनोद गुप्ता; एम सी गुप्ता; मूलचंद कंसल; आर के पुरोहित; डी के मित्तल; सीए प्रवीण बंसल; एन के अग्रवाल; डॉ वी एस चौहान; दीपक गौतम; अतुल वर्मा; पवन गुप्ता; संदीप अग्रवाल।

# WASTE TO ENERGY PROGRAMME

## “Programme on Energy from Urban, Industrial and Agricultural Wastes/Residues”

### 1. INTRODUCTION

- 1.1. **Name of the Programme:** "Programme on Energy from Urban, Industrial and Agricultural Wastes/Residues". It may also be referred as "Waste to Energy Programme".
- 1.2. **Objective:** The objective of the programme is to support the setting up of Waste to Energy projects for generation of Biogas/BioCNG/ Power/ producer or syngas from urban, industrial and agricultural wastes/residues.
- 1.3. **Scope:** The programme provides Central Financial Assistance (CFA) to project developers and service charges to implementing/ inspection agencies in respect of successful commissioning of Waste to Energy plants for generation of Biogas, Bio-CNG/enriched Biogas/Compressed Biogas, Power/generation of producer or syngas.

### 2. FUNDING PATTERN

- 2.1. **Standard CFA pattern:** Standard pattern of CFA for grant of "In-principal Approval" to Waste to Energy projects under the programme is as follows:

| S. No. | Type of project   | Standard CFA rate @ installed capacity of the plant  |
|--------|---|--|
| 1      | Biogas  | Rs 0.25 Cr per 12000cum/day (maximum CFA of Rs. 5.0 Cr/project)  |
| 2      | BioCNG / Enriched Biogas/ Compressed Bio Gas  | <ul style="list-style-type: none"> <li>- Rs 4.0 Cr per 4800 kg/day (for BioCNG generation from new biogas plant)</li> <li>- Rs 3.0 Cr per 4800 kg/day (for BioCNG generation from existing Biogas plant#)</li> <li>- Maximum CFA of Rs. 10.0 Cr/project for both cases.</li> </ul> |
| 3      | Power (based on Biogas)   | <ul style="list-style-type: none"> <li>- Rs 0.75 Cr/MW (for power generation from new biogas plant)</li> <li>- Rs 0.5 Cr/MW (for power generation from existing Biogas plant#)</li> <li>- Maximum CFA of Rs. 5.0 Cr/project for both cases.</li> </ul>                             |
| 4      | Power based on bio & agro-industrial waste (other than MSW through incineration process). | Rs 0.4 Cr/MW (maximum CFA of Rs. 5.0 Cr/project)   |
| 5      | Biomass Gasifier for electricity/ thermal applications                                    | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Rs. 2,500 per kWe with dual fuel engines for electrical application</li> <li>• Rs. 15,000 per kWe with 100% gas engines for electrical application</li> <li>• Rs. 2 lakh per 300 kWth for thermal applications.</li> </ul>                |

**#Note:** In case Developer is setting up a new BioCNG/ Power plant based on Biogas already available or generated from already commissioned/ operational/existing biogas plant or have already availed financial assistance from Government of India for Biogas plant, then CFA will be provided only for conversion of biogas to BioCNG (@Rs 3.0 Cr per 4800 kg/day) or biogas to power (Rs 0.5 Cr/MW), as mentioned in the table above.

### 2.2. Special CFA pattern

- i) **Special Category States:** In case the Waste to Energy plants are set up in Special Category States (NE Region, Sikkim, Himachal Pradesh and Uttarakhand), Jammu & Kashmir, Ladakh, Lakshadweep and Andaman & Nicobar Islands, the eligible CFA would be 20% higher than Standard CFA pattern given in para 2.1 above.
- ii) **Biomethanation plants set up in registered Gaushala/Shelter:** Biogas/ BioCNG/Power (biogas based) generation plants based on cattle dung as main feedstock set up by Gaushalas independently or through joint ventures/partnerships will be eligible for 20% higher CFA than Standard CFA pattern given in para 2.1 above. These Gaushalas (Shelters) should be registered with the respective State Government.

### 2.3. Service Charge to Implementing Agency and Inspection Agency

- i) Implementing agency (IA) shall be provided a service charge @1% of total CFA (minimum of Rs 50,000/-) for receiving and processing the applications. Indian Renewable Energy Development Agency Limited (IREDA) shall be the implementing agency. However the Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) may change the IA by way of a suitable notification.
- ii) Inspection Agency would be provided service charge @ Rs 1% of the eligible CFA (minimum of Rs 50,000/-) towards monitoring of

implementation progress, performance inspection and verification of generation record, and post installation monitoring of the plants.

### 3. TERMS & CONDITIONS

- i) Developers shall share plant generation data with MNRE or any other agency designated by MNRE, except in the case of Biomass Gasifiers, through installation of SCADA System/remote monitoring system. (This is applicable for project proposals submitted after notification of this guideline).
- ii) **Expansion of Plants:** Grant of CFA to plants which intend to add capacity to the existing plants shall also be considered. CFA for such plants will be considered only for the enhanced capacity by way of installation of new plant and machinery. Applications received for expansion projects will be processed as per guidelines existing at the time of submission of the application for expansion.
- iii) Central financial assistance from any other Central Govt. Ministry should not be claimed for proposed plant for which application has been submitted to this Ministry.
- iv) Waste to Energy (WtE) plants based on waste heat, waste plastics, waste tires or such other polymer waste shall not be eligible for CFA.
- v) Biogas plants of size upto 250 kW capacity for power generation and upto 2500 m3/day for Biogas generation capacity are covered under Biogas Programme and shall not be eligible under this programme.
- vi) Plants installed with new equipment/machinery only shall be eligible for CFA under this programme.
- vii) Municipal Solid Waste (MSW)/Refused Derived Fuel (RDF) to power projects based thermal technologies (Incineration, Gasification, Pyrolysis etc.) are not supported under the Waste to Energy programme.

### 4. PROCEDURE FOR AVAILING CFA

#### 4.1. Submission of proposal:

- i) The proposal for grant of "In-Principle" approval of CFA will be accepted through BioURJA Portal (<https://biourja.mnre.gov.in>) before commissioning of the proposed plant [except for the projects mentioned in clause 4.1(iii)]. The last date for submitting the applications under these guidelines shall be 31.12.2025. List of documents to be submitted is placed at Annexure-I (Stage-I).
- ii) **Proposals submitted to the Ministry on or before 31.03.2021 under Waste to Energy Programme (notified vide letter no. 22/222/2016-17-WTE dated 30.07.2018 & 28.02.2020) but 'In-principle' approvals could not be accorded thereafter as the programme was continued only for clearing committed liabilities:** 'In-principle' approvals and subsequent release of CFA to such proposals, except Municipal Solid Waste (MSW)/Refused Derived Fuel (RDF) to power projects based thermal technologies, shall be governed by the relevant guidelines prevailing at the time of the receipt of the concerned proposals.
- iii) **Proposals received in the Ministry from 01.04.2021 till the issuance of these guidelines for Waste to Energy Programme:** Eligible proposals falling under this category shall be governed by these guidelines. Waste to Energy projects which have been commissioned during aforementioned period, shall also be considered as eligible for grant of CFA under this programme. The applications of such projects should be submitted within three months of date of notification of these guidelines.
- iv) Incomplete proposal in any form and without requisite approvals/ documents will be rejected. The rejection of the proposal will be intimated preferably within 60 days of submission of the proposal in the BioURJA Portal. However, fresh proposal doing away with all shortcomings may be resubmitted before commissioning of the plant or 31.12.2025 whichever is earlier.

#### 4.2. "IN-PRINCIPLE" APPROVAL :

- i) **For projects with debt/loans from FIs/Banks:** In case loan drawn by the developer of Waste to Energy plant is equal or more than from eligible CFA, the Implementation Agency shall receive the applications through BioURJA portal, examine the applications and shall forward the consolidated proposal to Ministry on bimonthly basis. The Ministry shall issue an "In-Principle" approval with the concurrence of IFD and approval of Secretary, MNRE. For projects with loan, Ministry/ implementing agency will go by the appraisal of the project by the lending bank/FI.
- ii) For projects without debt/loan or projects wherein loan drawn by the developer of Waste to Energy plant is less than the eligible CFA, the Implementation Agency shall receive the applications through BioURJA portal, examine the applications and thereafter the applications will be put



up to Project Appraisal Committee (PAC). Only PAC recommended applications will be forwarded to Ministry in a consolidated manner on bimonthly basis. The Ministry shall issue an "In-Principle" approval with the concurrence of IFD and approval of Secretary, MNRE.

- iii) The "In-Principle" approval will preferably be accorded to the proposals forwarded by IREDA preferably within 40 days of forwarding the proposal to Ministry.

#### 4.3. Commissioning of the plant:

- i) The time period for commissioning is 24 months for WTE plants and 12 months for Biomass Gasifiers from the date of "In-Principle" approval.
- ii) After submission of application in the BioURJA portal, if developers intend to commission the plant before "In-Principle" approval of CFA is accorded, prior intimation of commissioning the plant to IA is mandatory. However, accord of "In-Principle" approval for grant of CFA shall be subject to fulfillment of the eligibility conditions as mentioned in these guidelines.
- iii) In case of delay for reasons not attributable to the developer, a suitable extension of time over the original period of commissioning may be granted by Secretary, MNRE provided an application is made by the developer, with supporting documents, 30 days before the original date of commissioning. If no such application is received by Implementing Agency and commissioning does not happen within the stipulated period (including the extended period), the "In-Principle" approval of CFA shall be treated as cancelled and no CFA shall be released.

#### 4.4. Plant performance:

- i) Inspection team will visit the plant for performance inspection based on request from the developer. The performance inspection of the plant will have to be carried out within 18 months from the date of commissioning beyond which "In-Principle" approval will be cancelled except in those cases where reason(s) of delay in inspection is (are) beyond the control of Developer. For such cases, an extension of suitable period over the original performance inspection period can be granted by Secretary, MNRE provided an application is made by the developer, with supporting documents, before the completion of original inspection period of 18 months as given above.
- ii) The developer may choose any one of the following agencies for inspection of the plant:-
  - (a) Concerned State Nodal Agencies for Renewable Energy (SNAs); or
  - (b) Sardar Swaran Singh National Institute of Bio-Energy (SSS-NIBE); or
  - (c) Biogas Technology Development Centre (BTDC) (List at Annexure-VIII).
- iii) Performance testing of the plant would inter-alia imply the following:-

- a) **Waste to Energy Plants:** The condition of successful commissioning of the Waste to Energy plants would imply operation of the plants for atleast 3 consecutive months, including continuous operation for at least 72 hours at an average of 80% of the rated capacity of the plant.

In case of biomethanation plants (Biogas, BioCNG, Power based on biogas), continuous operation of the plant implies continuous operation of digester (raw biogas generation) for 72 hours.

Based on the performance of the project for at least three consecutive months, following graded structure for release of CFA based on average PLF over a period of atleast three months shall be applicable: -

| Average PLF achieved during minimum 3 consecutive months | % of eligible CFA |
|--|-------------------|
| ≥80%   | 100%              |
| ≥ 60% and < 80%  | 80%               |
| ≥ 50% and < 60%  | 60%               |
| <50%   | 0%                |

- b) **Biomass Gasifiers:** The condition of successful commissioning for Biomass gasifier would imply operation of the Gasifier for atleast 3 consecutive months, including continuous operation for at least 3 consecutive days at an average PLF of 60% of rated capacity (taking 12 Hrs per day as standard operating hours).

In case of Biomass Gasifier, data of consumption/saving of conventional fuel can also be accepted for release of CFA.

#### 4.5. Submission of documents for release of CFA:

- i) Claim for release of CFA by developer should be made in the BioURJA portal within 3 months of the inspection of the plant by Inspection Team. List of documents to be submitted is placed at Annexure-I (Stage-II).
- ii) The implementing agency shall then examine the proposals for release of funds and shall forward the consolidated demand, in respect of all projects eligible for release of CFA as per scheme guidelines, to MNRE on monthly basis.

#### 4.6. Disbursement of CFA :

- i) **Disbursement after plant commissioning (Standard process):** Applicable for all types of projects except BioCNG plants under SATAT Initiative.
  - a) In case of Self-financed Projects or projects wherein loan drawn by the developer of Waste to Energy plant is less than the eligible CFA, the CFA shall be disbursed to developer's bank account.
  - b) **Bank financed:** In case loan drawn by the developer of Waste to Energy plant is equal or more than from eligible CFA, CFA shall be disbursed to developer's loan account maintained in the lending FI/bank.
- ii) **Advance disbursement during Construction Phase:** BioCNG plants which have signed BioCNG (CBG) purchase agreement with Government Oil Marketing Companies (OMCs) under SATAT Programme of Ministry of Petroleum & Natural Gas and have also availed project loan of atleast 50% of the total project cost from FI(s)/Bank(s) shall be eligible for advance disbursement of CFA during construction phase. The CFA will be released by the Ministry in two installments as below:
  - a) First instalment of upto 50% of "In-Principle" approved CFA may be released during the construction phase to the lending FI(s)/Bank(s) subject to disbursement of at least 50% of loan amount by the FI/Bank. This may be treated as interest free loan until the release of second instalment of CFA. Documents required for availing advance disbursement of CFA during construction phase is given as below:
    - 1) MNRE's "In-Principle" Approval letter.
    - 2) Request letter for advance disbursement of CFA from lending Bank/FI. #
    - 3) Loan disbursement letter indicating loan amount disbursed by lending bank/FI.
    - 4) Furnishing of Bank Guarantee to the IA for an amount equal to the advance CFA for which the project is eligible. The bank guarantee should initially be valid for a period of four years from the date issue. Thereafter the project developer will have to extend the validity of the bank guarantee as required by the IA so as to cover the period permissible for successful performance testing, commissioning and release of CFA. The bank guarantee will be encashed if the project developer fails to adhere to the permissible timelines for successful commissioning & performance testing or submission of documents for release of CFA. The bank guarantee will be released along with the disbursement of CFA. #
    - 5) Mandate form for payment transfer duly certified by FI/Bank for loan account. #
    - 6) High resolution Photographs of the plant site showing progress of installation.
    - 7) Consent to Establish (CTE) from State Pollution Control Board for the plant.
    - 8) EIA clearance, if applicable.
    - 9) Approval for storage & filling of Bio-CNG Plant from Petroleum and Explosives Safety Organization (PESO), Nagpur, if applicable.
    - 10) Non-NPA certificate from the lending banks/FIs if loan availed. #
  - #Documents (marked with #) are also required to be submitted in original to Implementing Agency.
  - b) Second instalment of balance CFA shall be released after commissioning of the plant and submission of documents as per Annexure-I (Stage-II). Second installment will be settled as per standard process described under clause 4.3 to 4.6(i). The amount disbursed during construction phase will be adjusted during disbursement of second installment and any surplus amount in lieu of under performance of the projects that could have been disbursed to developer shall be recovered from the Bank/FI.
- iii) The service charge to implementing agencies and inspection agencies shall be released at the time of release of CFA after commissioning and performance testing of the plant.
- iv) The above disbursements of CFA to eligible projects will be done by MNRE/Implementing Agency in accordance with procedure specified for release of funds by Ministry of Finance.

#### 5. PROJECT MONITORING MECHANISM

Developers shall share plant generation data with MNRE or any other designated agency, except in the case of Biomass Gasifiers, through installation of SCADA System/remote monitoring system.

The aforesaid programme is subject to change(s) and modification(s) as may be decided by the MNRE, Govt. of India from time to time, and subject to availability of funds. The Ministry shall in no way be liable for expenditure incurred by promoters for pre-project preparation or other activities, merely on the basis of this circular and / or related announcement by the Ministry. In case of any ambiguity on interpretation of any provisions of the programme, the decision of the Ministry shall be final and binding. It is clarified that mere submission of the proposal should not be construed as "In-Principle" approval of the project for grant of CFA.

## गौसदन में सहयोग के प्रकार

|                             |  |
|-----------------------------|--|
| मासिक हवन<br>(प्रातः 9 बजे) | : रू. 3,100 /— (मास के प्रथम<br>रविवार को — यजमान सहयोग)   |
| गौग्रास योजना               | : रू. 500 से 5,000 /— तक<br>मासिक                          |
| हरा चारा सहयोग              | : रू. 5,100 /—   |
| सवामनी दलिया                | : रू. 5,100 /—   |
| गाय अर्द्धांश योजना         | : रू. 11,000 /— (प्रति गाय)<br>(प्रतिवर्ष — गाय की आयु तक) |
| गौदान                       | : रू. 31,000 /—  |
| छप्पन भोग                   | : रू. 31,000 /—  |
| भूसा सहयोग                  | : रू. 1,01,000 /—<br>(लगभग 1 ट्रक)                         |
| खल, चोकर व छिलका            | : रू. 1,01,000 /—  |

## अपील

वर्तमान में गौशाला में लगभग 1700 से अधिक गोवंश हैं। भूसा/चारे का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। गोपाष्टमी में जिन बंधुओं ने भूसा दान की घोषणा की थी, उन सभी से विनम्र निवेदन है कि इस कार्य को यथाशीघ्र सम्पन्न करें।

## श्री जी गोसदन

(पंजीकृत सोसायटी सं.-592, अधिनियम सं.-21, सन् 1860 के अन्तर्गत)

भूखण्ड सं. 7, सैक्टर 94, नौएडा (उ.प्र.)

मो. : 8882425010

ई-मेल : shreejeegausadan94@gmail.com

वेबसाइट : www.shreejeegausadan.com

अध्यक्ष : सीए विकास अग्रवाल (मो. : 9810015863)

महासचिव : श्री सुशील भारद्वाज (मो. : 7982002929)

कोषाध्यक्ष : सीएस संजय गुप्ता (मो. : 9873410688)

प्रबन्धक : श्री संतोष सिंह (मो. : 7428350639)

दान/सहयोग राशि हेतु जानकारी :

**SHREE JEE GAUSADAN**

Account No. : 923010022147753

Name of Bank : **AXIS BANK**  
Sector 44, Noida (U.P.)

IFSC Code : **UTIB0001788**

अथवा

**QR कोड**

स्कैन करें



**PRAVEK**

**100%**  
शुद्ध और परिश्रुत



200 मिली के पैक में उपलब्ध

# गोजल

## पाचन क्रिया सुधार हेतु

आयुर्वेद में गाय के गौमूत्र को एक संजीवनी कहा गया है, जो रोगों को भगाए और दीर्घायु प्रदान करे।

प्रवेक गोजल को आसवन के बाद काँच की बोतल में पैक किया जाता है, ताकि वह सभी अशुद्धियों से मुक्त हो व गोजल के स्वाभाविक रूपी अम्लीय गुणों से बचाता हो।

### उपयोग

- कृमि रोग
- कण्डू रोग
- कुष्ठ रोग
- दोष जन्य उदर विकार
- अफारा
- मेदोरोग
- अध्यमान, आदि में लाभकारी

### मात्रा

20 मिली प्रवेक गोजल को जल में मिलाकर दिन में एक बार या चिकित्सक के परामर्शानुसार लें।

### CUSTOMER CARE

+91 9990990999 | customercare@pravek.com  
www.pravek.com

